4.0 – <u>उर्जा संरक्षण</u>

4.1 – उप मुख्य विद्युत इंजीनियर , सहायक मंडल विद्युत इंजीनियर तथा उर्जा संरक्षण टीम के शीर्ष अधिकरियों के द्वारा उर्जा मामलों में विभिन्न शाप/शेडों / सेवा भवनों आदि मे अलग से उर्जा (विद्युत) मीटर लगाये गये है। इन पर लगातार उर्जा खपत संबंधी निगरानी रखी जाती हैं।

4.2 – खराब एवं पुरानी मैटिल हॉलिड लैंम्पों , हाई वोल्टेज सी.एफ.एल लैम्पों सहित हाईप्रेशर सोडियम वेपर लैंम्पों का बदलना।

4.3 – कारखाना के कर्मचारियों की जागरूकता के लिए उर्जा संरक्षण सप्ताह तथा जानकारी हेतु अलग से सेमीनार का आयोजन किया जाता है।

4.4– <u>सोलर उर्जा :</u>

I – **1.5** एम.डब्ल्यू.पी सोलर पी व्ही प्रोजेक्ट संचित क्षमता सहित शेडों की छतों पर स्थापित **करने की** प्रकिया कारखाना के विद्युत विभाग द्वारा प्रारम्भ की गयी है। यह प्रोजेक्ट कारखाने में "अभिकल्प " निर्माण ,वित्त, परिचालित, और दूसरी जगह (डीबीएफओटी) ले जाना अथवा भेजने पर आधारित है। यह उर्जा कारखाने में उसकी उपयोगिता के आधार पर भेजी जाएगी और इसके अलावा जहां आवश्यकता होगी वहां भी डी.व्ही.व्ही एन.एल को भेजी जाएगी ।

।। – एस.टी.सी. हॉस्टल के प्रशासनिक भवन में 50 के व्ही.ए भार वाले 6 स्थानों पर सोलर उर्जा पेनल लगाने का प्रस्तावित है साथ ही उप मु0सामग्री प्रबंधक, मैटालर्जी प्रयोगशाला तथा लेखा कार्यालय में भी सोलर उर्जा पेनल लगाएं जाने संबधी मामला रेलवे बोर्ड भेजा जा चुका है।

4.5– **<u>एल.ई.डी.लाइट :</u>**

उर्जा संरक्षण एवं प्रकाश के स्तर को बढाने, हेतु वर्तमान सभी सी.एफ.एल, एच.पी एस वी तथा एम एच फिटिग लैंम्पों में कम वॉट के स्थान पर उन्हीं के बराबर वाले एल.ई.डी लेम्पों की फिंटिग का यह कार्य पहले 60 वॉट की 160 नग तथा 70 वॉट की 110 नग तथा 1100 नग भंडार के द्वारा मांग के अनुसार एलईडी की फिटिग आरडीएसओ तथा रेलवे बार्ड के दिशा निर्देशानुसार किया जाएगा।

4.6– **<u>मार्च 2016 से दिसम्बर 2016 के दौरान रिप्लेशमेंन्ट एकाउन्ट पर उपलबध करायी गयी लाईट फिटिग</u>**

ए – 60 वाट के स्थान पर 28 वाट की रिट्रोफिटमेंन्ट /टी 5 –210 नग

बी –250वाट एचपीएसवी &एमएच लेंम्पों के स्थान पर 65/85 वाट की सीएफएल की लाइट लगाई 170 न

सी– 60/70 वाट पंखों के स्थान 40/50 वाट के सीलिंग फैन लगाए गए। –78 नग